No. of Printed Pages : 5

BHMCT–108

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC (BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2024

BHMCT-108 : STUDY OF TREATISES, GHARANAS AND ELEMENTARY KARNATAKA MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note **:** *Please adhere to the word limit strictly.*

Answer any *ten* of the following questions in **500** words each : 10×10=100

1. Describe the development of music in Southern India from the medieval era to the present times.

2. Explain the six limbs of Tala in Karnataka Music.

3. Write elaborately about the contribution of Vidyaranya and Govinda Dikshitar in Karnataka Music.

4. Give a brief life sketch of Shyama Shastri and highlight his contribution in enriching the musical content in Karnataka Music.

5. Discuss the contents of the treatise "Chaturdandi Prakashika".

6. Give a brief history of Rampur Gharana and achievements of disciples of this Gharana.

7. Discuss the role of Pt. Ravi Shankar as the cultural ambassador of India to the western world.

8. Write a brief life history of Surasree Kesarbai Kerkar.

9. Write a brief life sketch of Pt. Kumar Gandharva and his struggle in establishing his style of singing.

10. Give a brief description of Raga Jaunpuri and write down the notation of its 'Sargam Geet'.

11. Give a brief description of Raga Kedara and write down the notation of its "Sargam Geet."

12. Give description of Ada Chartal and Dhamar Tala and write down their Theka.

BHMCT–108

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत (बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एच.एम.सी.टी.-108 : ग्रन्थों, घरानों और प्राथमिक कर्नाटक संगीत का अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कृपया अपना उत्तर शब्द-सीमा के अन्दर लिखिए।*

निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर **500-500** शब्दों में दीजिए : 10×10=100

1. मध्य काल से वर्तमान काल तक दक्षिण भारत के संगीत के विकास का विवरण दीजिए।

2. कर्नाटक संगीत के ताल के छः अंगों की व्याख्या कीजिए।

3. पं. विद्यारण्य तथा गोविन्द दीक्षितर के कर्नाटक संगीत में योगदान के विषय में विस्तृत विवरण दीजिए।

4. श्यामा शास्त्री का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए कर्नाटक संगीत की गेय सामग्री को समृद्ध करने में उनके योगदान पर आलोकपात कीजिए।

5. "चतुर्दण्डि प्रकाशिका" ग्रन्थ की सामग्री पर चर्चा कीजिए।

6. रामपुर घराने के संक्षिप्त इतिहास का विवरण देते हुए इस घराने के शिष्यों की विशिष्ट उपलब्धियों के बारे में बताइए।

7. विदेश में भारतीय संस्कृति के दूत के रूप में पं. रविशंकर की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

8. सुरश्री केसरबाई केरकर के जीवन वृत्तान्त के बारे में लिखिए।

9. पं. कुमार गन्धर्व के जीवन वृत्तान्त के साथ-साथ शास्त्रीय संगीत में अपनी शैली की अलग पहचान बनाने के संघर्ष को अपने शब्दों में लिखिए।

10. राग जौनपुरी का संक्षिप्त विवरण देते हुए उसके "सरगम गीत" की स्वरलिपि लिखिए।

11. राग केदार का संक्षिप्त विवरण देते हुए उसके "सरगम गीत" की स्वरलिपि लिखिए।

12. आड़ा चारताल और धमार ताल का संक्षिप्त विवरण देते हुए दोनों के ठेकाओं को लिखिए।

× × × × × × ×